

वंदे मातरम के छह छंदों की अनिवार्यता पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक अधिकारों का हवाला देकर दायर हुई याचिकाएं, गृह मंत्रालय के जनवरी और जुलाई 2026 के आदेशों को दी गई चुनौती

एजेसी। नई दिल्ली राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम’ के छह छंदों को निर्धारित अवसरों पर गाने या बजाने की अनिवार्यता को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिकाओं में गृह मंत्रालय की ओर से 28 जनवरी और 9 जुलाई 2026 को जारी किंग्र गए आदेशों को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि छह छंदों वाले संस्करण को अनिवार्य करना धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और धर्मनिरपेक्षता जैसे संवैधानिक सिद्धांतों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों पर अभी कोई अंतिम राय नहीं दी है।	
सविधान सभा में अनिवार्यता का नहीं मिला उल्लेख याचिका में यह भी दावा किया गया है कि सविधान सभा के दौरान वंदे मातरम के बाद के चार छंदों को सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य रूप से गाने या बजाने की मांग का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं मिलाता है। याचिकाकर्ताओं का मुख्य तर्क है कि लंबे समय से प्रचलित व्यवस्था में बदलाव केवल कार्यकारी आदेश के जरिए नहीं किया जा सकता। कार्यकारी आदेश जारी कर राष्ट्रगीत के प्रचलित स्वरूप को बदलने का वैधानिक या संवैधानिक अधिकार नहीं है।	स्कूलों और अन्य अवसरों पर भी लागू करने पर आपत्ति याचिकाकर्ताओं ने गृह मंत्रालय के 9 जुलाई 2026 के आदेश को भी चुनौती दी है। उनका कहना है कि इस आदेश में स्कूलों समेत पहले की तुलना में अधिक अवसरों पर राष्ट्रगीत को गाने या बजाने की व्यवस्था की गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि यदि किसी अवसर पर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों प्रस्तुत किए जाने हों, तो पहले राष्ट्रगीत बजाने का निर्देश दिया गया है। याचिकाकर्ताओं ने इस व्यवस्था को भी चुनौती दी है।

आदेश रद्द करने और अनिवार्यता पर रोक की मांग

याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से गृह मंत्रालय की ओर से जारी 28 जनवरी और 9 जुलाई 2026 के आदेशों को रद्द करने की मांग की है। इसके साथ ही छह छंदों वाले वंदे मातरम के संस्करण को अनिवार्य रूप से गाने या बजाने की व्यवस्था पर रोक लगाने की भी मांग की गई है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर उसका पक्ष मांगा है। मामले में केंद्र के जवाब के बाद अदालत के सामने यह महत्वपूर्ण संवैधानिक सवाल आएगा कि राष्ट्रगीतों के स्वरूप और उसके सार्वजनिक उपयोग को लेकर कार्यपालिका की शक्तियों की सीमा क्या है और धार्मिक स्वतंत्रता तथा धर्मनिरपेक्षता के अधिकारों के साथ इसका संतुलन किस तरह कायम किया जा सकता है।

थेनी जिला जेल से 17 कैदी फरार, ड्रोन से तलाश के बाद 13 गिरफ्तार



■ जेल में हड़कंप के बाद पुलिस का ताबड़तोड़ ऑपरेशन, नौ जेल अधिकारियों पर गिरा गाज, चार फरार कैदियों की तलाश जारी

एजेसी। थेनी

तमिलनाडु के थेनी जिला जेल से 17 कैदियों के फरार होने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही तमिलनाडु पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। फरार कैदियों का पता लगाने के लिए पुलिस ने ड्रोन की मदद से निगरानी की और अलग-अलग इलाकों में सघन अभियान चलाया। पुलिस को कार्रवाई में अब तक 13 फरार कैदियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी चार कैदियों की तलाश जारी है।

ड्रोन से रखी गई इलाके पर नजर

कैदियों के जेल से फरार होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने आसपास के इलाकों में नाकेबंदी और तलाशी अभियान तेज कर दिया। फरार कैदियों की संभावित गतिविधियों और ठिकानों का पता लगाने के लिए ड्रोन मदद से निगरानी की और अलग-अलग इलाकों में सघन अभियान चलाया। पुलिस को कार्रवाई में अब तक 13 फरार कैदियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी चार कैदियों की तलाश जारी है।

सतीशन सरकार का बड़ा फैसला : आरटीआई से छूट मिली, फिर भी नहीं छिपेगा भ्रष्टाचार

एजेसी। नई दिल्ली

तिरुवनंतपुरम केरल सरकार ने कहा है कि सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के दो विभागों को सूचना के अधिकांर कानून से छूट मिलने के बावजूद भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघन से जुड़ी जानकारी जवाब पूरी होने के बाद दी जाएगी। केरल के गृह मंत्री रमेश चैन्नीथला ने मंगलवार को कहा कि सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के दो विभागों को सूचना के अधिकार कानून से छूट



देने का मकसद भ्रष्टाचार से जुड़ी जानकारी छिपाना नहीं है। सरकार का उद्देश्य जांच को प्रभावित किए बिना पारदर्शिता बनाए रखना है। उन्होंने

अब तक 13 कैदी गिरफ्तार

दक्षिण क्षेत्र के आईजी विजयेन्द्र बिदारी ने बताया कि पुलिस अब तक 13 फरार कैदियों को गिरफ्तार करने में सफल रही है। बाकी चार कैदियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान लगातार जारी है। जेल डीजीपी सदीप राय राठौर ने भी पुष्टि की कि अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि फरार कैदियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस और जेल विभाग की टीमें लगातार काम कर रही हैं।

नौ जेल अधिकारी निलंबित

घटना के बाद जेल प्रशासन की भूमिका भी जांच के घेरे में आ गई है। जेल विभाग ने कार्रवाई करते हुए नौ अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों की जिम्मेदारी और लापरवाही की जांच की जा रही है। कैदी जेल से किस तरह फरार हुए और सुरक्षा व्यवस्था में कहा चुक हुई, इसको लेकर भी जांच की जा रही है। अधिकारियों से पूछताछ के साथ जेल की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जा रही है।

दो टीमों ने संभाला ऑपरेशन

फरार कैदियों की गिरफ्तारी के लिए तमिलनाडु पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस ऑपरेशन में दो टीमें मिलकर काम कर रही थीं। एक ओर पुलिस ने संभावित ठिकानों पर दक्षिण दी, वहीं दूसरी ओर ड्रोन की मदद से फरार कैदियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई। पुलिस का कहना है कि बाकी बचे कैदियों को भी जल्द गिरफ्तार करने के लिए अभियान जारी है। साथ ही जेल से फरारी की पूरी घटना की जांच की जा रही है, ताकि सुरक्षा में हुई चूक के कारणों का पता लगाया जा सके।

ने जमीन पर तलाशी के साथ ही ड्रोन के जरिए संवेदनशील और संभावित इलाकों पर नजर रखी। अधिकारियों

के मुताबिक, फरार कैदियों को जल्द पकड़ने के लिए अभियान को कई स्तरों पर संचालित किया गया।

जामिया प्रशासन का बड़ा आरोप: दो विभागों की इमारतों पर बाहरी लोगों ने किया कब्जा, शिक्षकों ने जताई नाराजगी

‘एजेसी। नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र संघ बहाली को लेकर जारी विवाद के बीच जामिया के शिक्षकों ने राजनीतिक हस्तक्षेप और बाहरी लोगों की गतिविधियों पर नाराजगी जताई है। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि जामिया के आंतरिक मामले को राजनीतिक रंग देकर परिसर का माहौल बिगाड़ने और शैक्षणिक गतिविधियों में बाधा डालने की कोशिश की जा रही है। वहीं जामिया के बाहर के लोगों ने 24 अक्टूबर से राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र विभागों की इमारत पर कब्जा कर ताला लगा दिया है। जामिया प्रशासन के अनुसार प्रदर्शनकारी छात्रों की मांगों पर बातचीत कर रहा है। छात्र संघ की बहाली की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। इस मुद्दे को लेकर जामिया कुलपति प्रो. मजहर आसिफ की अध्यक्षता में बैठक हुई।

■ भारतीय सेना की छवि खराब करने का लगाया आरोप

एजेसी। नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पार्टी भारत के खिलाफ दुश्मन के दुर्भावनापूर्ण प्रचार का खुलेआम समर्थन कर रही है। उन्होंने कांग्रेस की ओर से चीन से जुड़ा कथित फर्जी एआई वीडियो फैलाए जाने को ‘विश्वासघात’ करार दिया और पार्टी से देश की जनता से माफी मांगने की मांग की। रिजिजू ने आरोप लगाया कि इस तरह के वीडियो भारतीय सेना की छवि को नुकसान पहुंचाने और देश में भ्रम फैलाने का प्रयास हैं।

सेना अधिकारी के नाम पर फैलाया गया वीडियो

रिजिजू के मुताबिक, सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो प्रसारित किया गया, जिसमें एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के हवाले से दावा किया गया कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों पर कब्जा कर लिया है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि



बिहार के एक कांग्रेस नेता ने अपने एक्स हैंडल से इस वीडियो को साझा किया। अरुणाचल प्रदेश से लोकसभा सांसद रिजिजू ने वीडियो को फर्जी बताते हुए कहा कि कांग्रेस को इसे प्रसारित करने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने इसे दुश्मन के प्रचार अभियान को बढ़ावा देने वाला कृत्य बताया।

‘भारतीय सेना की छवि खराब करने की कोशिश’

सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय सेना की छवि

रिजिजू का सवाल, देश से माफी क्यों नहीं मांग रही कांग्रेस?

मंगलवार को एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में रिजिजू ने कांग्रेस पर और तीखा हमला किया। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस में इतनी हिम्मत कैसे है कि वह देश के खिलाफ दुश्मन के दुष्प्रचार का खुलेआम समर्थन करे और इसके बावजूद देश से माफी मांगने को तैयार न हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और भारतीय सेना से जुड़े मामलों में राजनीतिक लाभ के लिए गलत या भ्रामक सूचनाओं का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

खराब करने के लिए फर्जी एआई वीडियो फैलाना गंभीर मामला है। उन्होंने इसे विश्वासघाती कृत्य बताते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस भारत के दुश्मनों के एजेंडे को आगे बढ़ाने वाला अभियान चला रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्षी दल को इस मामले में अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और गलत सूचना फैलाने के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

आपदा से पहले मिले चेतावनी तो बचेगी जान, एआई आधारित सिस्टम पर पीके मिश्रा का जोर

एजेसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए व्यापक और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दशक में केवल लोगों की जान बचाना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि विकास कार्यों को सुरक्षित रखने और आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान को भी कम करना जरूरी है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग और मल्टी-हैजर्ड अलर्टी वार्निंग सिस्टम को आपदा प्रबंधन की रणनीति का अहम हिस्सा बताया। डॉ. पीके मिश्रा ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र



आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (यूएनडीआरआर) द्वारा आयोजित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को

जान बचाने में मिली सफलता, लेकिन आर्थिक नुकसान बड़ी चुनौती

प्रधान सचिव ने कहा कि पूर्व चेतावनी प्रणालियों, आपदा के लिए तैयारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र में सुधार से बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाने में मदद मिली है। हालांकि, आपदाओं से होने वाला आर्थिक नुकसान अब भी काफी अधिक है। सीमित दायरे यानी ‘साइलो’ से बाहर निकलने की जरूरत बताई। उनका कहना था कि किसी आपदा के तत्काल प्रभाव के साथ-साथ उसके दूरगामी आर्थिक, सामाजिक और विकास संबंधी परिणामों को भी ध्यान में रखना होगा।

2030 तक सेंड्राई फ्रेमवर्क लागू करने पर जोर

डॉ. मिश्रा ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए ‘सेंड्राई फ्रेमवर्क’ का उल्लेख करते हुए वर्ष 2030 तक इसके लक्ष्यों को तेजी से लागू करने की अपील की। उन्होंने आपदा को रोकथाम, जोखिम कम करने और संरक्षण क्षमता मजबूत करने के लिए अधिक निवेश की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर खर्च करने के साथ-साथ पहले से जोखिम कम करने की दिशा में निवेश बढ़ाना ज्यादा प्रभावी हो सकता है। इसके लिए सरकारी, संस्थानीय और विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

भारत के आपदा प्रबंधन मॉडल का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की ओर से आपदा जोखिम कम करने के लिए उठाए गए कदमों को भी उन्होंने उल्लेख किया। इनमें वर्ष 2016 में घोषित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर ‘दस-सूत्रीय एजेंडा’ और वर्ष 2025 में आपदा प्रबंधन अधिनियम में किए गए संशोधन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बदलते आपदा जोखिमों के अनुरूप नीतियों और संस्थागत व्यवस्थाओं को लगातार मजबूत करने की आवश्यकता है। आपदा प्रबंधन को केवल राहत और बचाव तक सीमित रखने के बजाय विकास की पूरी प्रक्रिया में जोखिम न्यूनीकरण को शामिल करना जरूरी है।

चेतावनी के बाद तुरंत कार्रवाई और वित्त की व्यवस्था जरूरी

डॉ. मिश्रा ने कहा कि पूर्व चेतावनी प्रणाली तभी प्रभावी साबित होगी, जब चेतावनी मिलने के बाद समय पर कार्रवाई की जाए। इसके लिए स्थानीय प्रशासन, संबंधित एजेंसियों और समुदायों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चेतावनी के आधार पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए पहले से वित्तीय संसाधन भी उपलब्ध होने चाहिए। यानी भविष्य की आपदा प्रबंध व्यवस्था में पूर्वानुमान, पूर्व चेतावनी, तत्काल कार्रवाई और वित्तपोषण को एक-दूसरे से जोड़ना होगा। प्रधान सचिव के मुताबिक, आने वाले वर्षों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण का लक्ष्य केवल आपदाओं के बाद नुकसान कम करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक तकनीक और बेहतर योजना के जरिए नुकसान होने से पहले ही उसे रोकना होना चाहिए।

संबोधित किया। भारत और यूनाइटेड किंगडम की सह-अध्यक्षता में हुई इस

के बीच बढ़ते संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन सभी कारकों के कारण आपदा जोखिम का स्वरूप लगातार जटिल हो रहा है। ऐसे में अलग-अलग विभागों और संस्थानों

के बीच बढ़ते संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन सभी कारकों के कारण आपदा जोखिम का स्वरूप लगातार जटिल हो रहा है। ऐसे में अलग-अलग विभागों और संस्थानों

द्वारा अपने-अपने स्तर पर काम करने के बजाय आपदा जोखिम को व्यापक नजरिए से समझना जरूरी है। प्रधान सचिव ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक तकनीकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों की मदद से मौसम और अन्य संभावित आपदाओं से जुड़े जोखिमों का पहले से बेहतर आकलन किया जा सकता है। उन्होंने ‘मल्टी-हैजर्ड अलर्टी वार्निंग सिस्टम’ को भी महत्वपूर्ण बताया, जिसके जरिए एक साथ कई तरह के संभावित खतरों की पूर्व चेतावनी दी जा सकती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल चेतावनी जारी करना पर्याप्त नहीं है।



बर्लिन, एजेंसी। परदेस में अकेलेपन का दर्द समझने वाली चार भारतीय महिलाओं ने 40 साल पहले जो एक संस्था बनाई थी, उसका पूरा सफर अब एक किताब में दर्ज हो चुका है। मुंबई से बर्लिन पहुंची सुशीला शर्मा हक की अगुवाई में लेडीज कॉर्नर बर्लिन ने चार दशक पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर संस्था की सदस्य कविता पाल ने विशेष स्मारिका 40 ग्लोरियस ईयर्स ऑफ लेडीज कॉर्नर बर्लिन तैयार की और इसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को खुद भेंट किया। स्मारिका जर्मनी में भारत के राजदूत अजित गुप्ते को भी सौंपी गई। सुशीला शर्मा हक ने भारत में टाटा इंस्टीट्यूट से समाजसेवा की पढ़ाई की थी। बर्लिन पहुंचकर उन्होंने देखा कि वहां भारतीय समुदाय की गतिविधियां भारत मजलिस के इर्द-गिर्द सिमटी थीं, जिसे यूरोप की पहली भारतीय संस्था माना जाता है। वहां ज्यादातर पुरुष ही जुटते थे और महिलाओं को केवल तीज त्योहारों पर बुलाया जाता था। सुशीला ने उन पुरुषों की पत्नियों और महिला मित्रों से एक-एक कर संपर्क साधा। 1985 में सुशीला ने सुधा कोठारी, डोरा सैमुएल और छाया सैनुगुप्ता के साथ मिलकर लेडीज कॉर्नर की नींव रखी। यहां अब वै धार्मिक उत्सव, मनोरंजन से लेकर रोजमर्रा की परेशानियों पर खुलकर चर्चा कर सकती थीं। संस्था का दायरा बढ़ता गया। भारतीय महिलाओं को हर तरह की मदद दी गई और विदेश में भाषा, संस्कृति, त्योहार व संस्कार जीवित रखे गए। सुशीला कहती हैं कि चार दशक पूरे कर चुकी संस्था लेडीज कॉर्नर जर्मनी की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था का हिस्सा है। कविता पाल ने स्मारिका में इन चार दशक की यादें, तस्वीरें, प्रेरक कहानियां और उपलब्धियां पिरोई हैं। वह कहती हैं, यह स्मारिका आने वाली पीढ़ियों के लिए एक धरोहर है।

सेना का दावा- 218 लड़ाके और कमांडर मारे गए, अब तक 78 सैन्य वाहन भी तबाह

अदन, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ सेना ने बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने का दावा किया है। यमन के सशस्त्र बलों के सैन्य प्रवक्ता



माजिद अब्दुल्ला अल-नुजैली के मुताबिक, ‘डॉन ऑफ यमन’ अभियान के तहत पिछले 24 घंटे में 753 सटीक हमले किए गए। इन हमलों में करीब 218 हूती लड़ाकों और मैदानी कमांडरों को मार गिराने का दावा किया गया है। सैन्य प्रवक्ता ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना ने हूती विद्रोहियों के सैन्य ठिकानों, आपूर्ति मार्गों और उनके कमांड नेटवर्क को निशाना बनाया। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य विद्रोहियों की सैन्य गतिविधियों और दोबारा संगठित होने की क्षमता को कमजोर करना था। अल-नुजैली ने बताया कि हमलों में मैदानी कमांड और नियंत्रण केंद्रों, सैन्य ठिकानों, किलेबंदी, हथियारबंद समूहों और विद्रोहियों की मदद के लिए भेजे जा रहे अतिरिक्त बलों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, उनके परिवहन और आपूर्ति के साधनों पर भी कार्रवाई की गई। सेना के प्रवक्ता के अनुसार, इन हमलों से हूती विद्रोहियों की आवाजाही और युद्ध के मोर्चों तक सैन्य संसाधन पहुंचाने की क्षमता प्रभावित हुई। इससे सरकारी बलों को अलग-अलग मोर्चों पर आगे बढ़ने और अभियान चलाने में मदद मिली। यमन की सेना ने अभियान में हूती विद्रोहियों को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है।

ब्राजील में लूला की वापसी: बोल्सोनारो ने हार मानने से किया इनकार, चुनावी नतीजे रद्द करने की उठाई मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने अपने प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो को हराकर जीत हासिल की। इस जीत के साथ देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला। चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और चुनाव रद्द करने की मांग उठाई। लूला की जीत को लैटिन अमेरिका की राजनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे क्षेत्र में वामपंथी विचारधारा वाले नेताओं की स्थिति मजबूत हुई है। करीब 44 लाख वोटों से

मिली जीत ब्राजील के अधिकारियों के मुताबिक, सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद लूला को कुल 51.8 फीसदी वोट मिले। उन्होंने बोल्सोनारो को करीब 44 लाख वोटों से पीछे छोड़ दिया। नतीजों की घोषणा के बाद लूला के समर्थकों में जश्न का माहौल बन गया। साओ पाउलो में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए, जबकि रियो डी जनेरियो में गाड़ियों के हॉर्न बजाकर जीत का जश्न मनाया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने कहा कि उनकी पार्टी ने

छात्रों ने पलटी बाजी: वुसिक की सत्ता खत्म, राष्ट्रपति ने खुद मानी हार; 2017 में संभाली थी कमान

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। करीब दो साल से सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है। शुरुआती नतीजों के आधार पर लंबे समय से सत्ता में काबिज अलेक्जेंडर वुसिक ने हार मान ली है। इस चुनाव को सर्बिया के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। छात्रों की अगुवाई वाले समूह को संसद में बहुमत मिलने के आसार हैं। नतीजों के शुरुआती संकेत मिलते ही राजधानी बेलग्रेड में लोगों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया।

वुसिक ने खुद स्वीकार की हार वुसिक ने रविवार को बेलग्रेड में अपनी पार्टी के मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरुआती आंकड़ों से साफ है कि उनकी पार्टी चुनाव हार रही है। वुसिक के मुताबिक, 250 सीटों वाली संसद में छात्र समर्थित समूह को 135 से 140 सीटें मिल सकती हैं, जबकि उनकी पार्टी को करीब 105 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी अंतिम नतीजे आने बाकी हैं। चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी के शुरुआती अनुमानों ने भी छात्रों की बढ़त के संकेत दिए। सर्वे के मुताबिक, छात्र आंदोलन से जुड़े उम्मीदवारों को करीब 138 सीटें

मतदान से पहले पीएम ने तन्याहू के तेवर बदले, 7 अक्टूबर 2023 की वूक पर देश की जनता कि तनी नाराज

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में 27 अक्टूबर को होने वाले संसदीय चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक सरगमी अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी सत्ता बचाने के लिए आक्रामक तैयारी के साथ मैदान में हैं, लेकिन उनके खिलाफ जनता का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजधानी तेल अवीव समेत कई हिस्सों में हजारां प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया है। हमास के हमलों और गाजा व ईरान युद्ध के बाद हो रहा पहला चुनाव नेतन्याहू के राजनीतिक भविष्य का जनमत संग्रह माना जा रहा है। नेतन्याहू अपनी सुरक्षा नीतियों और कड़े रुख के जरिये मतदाताओं को साधने में जुटे हैं। कभी सीमित और रक्षात्मक कदमों के पक्षधर रहे नेतन्याहू ने अब गाजा, लेबानन और ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई को अपनी सबसे बड़ी यूएसपी बना लिया है। उन्होंने दक्षिणपंथी मतदाताओं को एकजुट करने पर पूरा जोर दिया है ताकि बहुमत का आंकड़ा (61 सीटें) जुटाया जा सके। सुरक्षा और खुफिया वूक की जवाबदेही चुनाव का



मिल सकती हैं। वहीं, वुसिक की सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी को 104 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया। बाकी सीटें जातीय अल्पसंख्यकों की पार्टियों के खाते में जा सकती हैं। अगर ये अनुमान अंतिम नतीजों में बदलते हैं, तो सर्बिया की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत हो सकती है। चुनाव के शुरुआती नतीजे सामने आते ही बेलग्रेड में छात्रों और उनके समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। छात्र आंदोलन के मुख्यालय में लोग ‘जीत, जीत’ के नारे लगाते दिखे। कहीं तालियां बज रही थीं, तो कहीं लोग एक-दूसरे को गले लगाकर खुशी जाहिर कर रहे थे। बेलग्रेड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रादोमिर साच्चिक ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज लोगों की आवाज

सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि जीत का जश्न मनाने के बाद अब देश के भविष्य को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी। इस चुनाव की एक बड़ी खासियत भारी मतदान रहा। चुनाव निगरानी संस्थाओं वृक्षस्लूठ और दूकस्लूठ के मुताबिक, रविवार शाम तक बजे तक 67.6 प्रतिशत मतदाता वोट डाल चुके थे। बताया गया कि 1992 में यूगोस्लाविया के विघटन के बाद यह सबसे अधिक मतदान था। चुनाव से पहले आए सर्वेक्षणों में तस्वीर साफ नहीं थी। माना जा रहा था कि मुकाबला कड़ा होगा और छात्रों के आंदोलन को चुनाव में कितनी सफलता मिलेगी, यह कहना मुश्किल है। लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के मतदान के लिए बाहर निकलने से सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं मजबूत होती दिखाई दीं।

50 साल बाद विदेश में सेना भेजेगा अल्जीरिया

नाइजर में तेल और गैस ठिकानों की सुरक्षा पर नजर, वया है मामला

अल्जीरियर्स, एजेंसी। अल्जीरिया ने करीब 53 साल बाद विदेश में अपनी सेना भेजने का फैसला किया है। रविवार को देश की संसद ने नाइजर में सैनिकों की तैनाती के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इससे पहले 1973 में अरब-इजरायल युद्ध के दौरान अल्जीरिया ने मिस््र की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे थे। हालांकि, इस बार सेना की तैनाती कब होगी, कितने सैनिक जाएंगे और उन्हें किस इलाके में रखा जाएगा, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। अल्जीरिया के सीनेटर बलकासेम बेंसालघिती ने कहा कि नाइजर में सैनिक भेजने का मुख्य मकसद देश के आर्थिक और रणनीतिक हितों की रक्षा करना है। खास तौर पर वहां मौजूद तेल से जुड़ी सुविधाओं को सुरक्षित रखना जरूरी है। उन्होंने साफ किया कि सेना को नाइजर में युद्ध लड़ने



के लिए नहीं भेजा जा रहा, बल्कि उसे अहम आर्थिक ढांचे की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाएगी। उनके मुताबिक, साहेल क्षेत्र में बदलते हालात को देखते हुए अल्जीरिया को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ रहा है। नाइजर में अल्जीरिया की दिलचस्पी की एक बड़ी वजह प्राकृतिक गैस से जुड़ी परियोजना भी है। अल्जीरिया की सरकारी ऊर्जा कंपनी सोनाट्राच

नाइजर के साथ मिलकर ट्रांस-सहारा गैस पाइपलाइन परियोजना पर काम कर रही है। इस परियोजना के तहत नाइजीरिया से प्राकृतिक गैस को नाइजर के रास्ते अल्जीरिया तक लाने की योजना है। इसके बाद गैस को यूरोपीय देशों के बाजारों में पहुंचाया जा सकेगा। ऐसे में इस परियोजना से जुड़े बुनियादी ढांचे की सुरक्षा दोनों देशों के लिए काफी अहम है।

‘खत्म की ईरान की परमाणु क्षमता’: ट्रंप का दावा, कहा- होर्मुज से बढ़ी तेल सप्लाई



तहर तबाह कर दिया है। आप जानते हैं, यह नुकसान किसी की भी कल्पना से कहीं ज्यादा था। वह खत्म हो चुकी जुड़ी समस्याएं नहीं, बल्कि मौत से जुड़ी समस्याएं भी देखना चाहते हैं उन्हें परमाणु हथियार रखने दीजिए, क्योंकि वे उसका इस्तेमाल करेंगे। मुझे पहले ही यह कार्रवाई करनी थी। जब मैंने यह किया, तब मुझे पता था कि हमने उनकी परमाणु क्षमता को बुरी

की नाकेबंदी और सैन्य अभियानों को दिया। ट्रंप ने कहा, ‘मुझे पता था कि इससे कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी होगी। अब अगर आप देखें, तो कल वॉल स्ट्रीट जर्नल के पहले पन्ने पर था कि होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने वाला तेल अब युद्ध से पहले के स्तर से भी आगे निकल गया है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमने नाकेबंदी की है और हमारी सेना, खासकर हमारी नौसेना ने शानदार काम किया है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘हमने समुद्री नाकेबंदी कर रखी है और इस समय होर्मुज से युद्ध शुरू होने से पहले के मुकाबले ज्यादा तेल निकल रहा है।’ इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि भविष्य में युद्ध होता है या नहीं, इससे ईरान की नीतियों पर असर नहीं पड़ेगा। अन्य विमानन तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई करना तर्कहीन होगा। अराघची ने कहा, ‘आज फिर युद्ध की बातें हो रही हैं, लेकिन अब से मैं युद्ध के बारे में सोच रहा हूं। युद्ध हो या न हो, हमारी नीतियां अपनी जगह बनी रहेंगी।’ सऊदी अरब में मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद अमेरिका ने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके पात्र परिवार के सदस्यों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इसकी जानकारी दी। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह फैसला नागरिक हवाई अड्डों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के हमलों से पैदा हुए सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए लिया है। रिफाइनिंग और सऊदी अरब के कई अन्य विमानन तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

‘बीबी को वोट दें’: इस्राइल चुनाव से पहले ट्रंप का नेतन्याहू को समर्थन



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल में होने वाले चुनाव से पहले एक बार फिर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने इस्राइल के नागरिकों से नेतन्याहू को वोट देने की अपील करते हुए उन्हें एक बेहतरीन और साहसी प्रधानमंत्री बताया। ट्रंप ने दोनों नेताओं के बीबी संबंधों और ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान का भी जिक्र किया।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर सोशल पर एक पोस्ट में नेतन्याहू की तारीफ की। उन्होंने अमेरिकी सैन्य अभियानों का हवाला देते हुए दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत और अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

ट्रंप ने लिखा, ‘इस्राइल के लोगों से, खासकर उन लोगों से जिन्होंने इसे नहीं देखा है, मैं एक सप्ताह पहले आपके प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू के समर्थन में दिए गए अपने बयान को साझा कर रहा हूं। जैसा कि सभी जानते हैं, यहां तक कि दुश्मन भी जानते हैं कि बीबी और मेरे बीच अच्छे संबंध रहे हैं और हमने मिलकर जीत हासिल की है।’ उन्होंने लिखा, ‘मैंने वेनेजुएला में हमला किया, जो इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियानों में से एक था। लेकिन

सुखियों में रहे हैं। चुनाव में प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो अमेरिका की तरफ झुकाव रखने के साथ ट्रंप के सहयोगी भी रहे हैं। फ्लावियो, जेल में बंद ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे हैं। इस महीने की शुरुआत में हुए चुनाव के पहले चरण में फ्लावियो ने लूला से 22 लाख से अधिक वोट हासिल किए थे। हालांकि, करीब 16 करोड़ मतदाताओं वाले देश में 3.30 करोड़ से अधिक लोगों ने मतदान नहीं किया था, जबकि ब्राजील में मतदान करना अनिवार्य है। अमेरिका के साथ संबंधों, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों पर लूला और फ्लावियो के विचार एक-दूसरे से काफी अलग हैं। फ्लावियो की जीत से लैटिन अमेरिका के सबसे अधिक

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर के लिए मतदान

वाले अनुभवों नेता लूला बीते कुछ समय से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मुखर विरोध करने के कारण



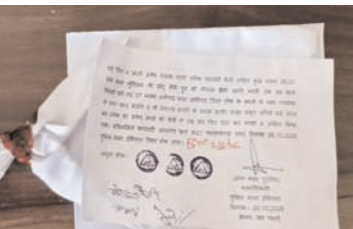
के बाद नतीजे आ चुके हैं। इसमें मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को बहुमत मिला है। जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो के साथ कड़े मुकाबले के बीच लूला ने जीत दर्ज की। दोनों के नेता विक्टर ओबेन को लिए 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने थे। लूला 50 फीसदी से अधिक वोट हासिल करने में सफल रहे। ब्राजील चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि लैटिन अमेरिका में अमेरिका का बढ़ता प्रभाव और मजबूत होगा या वामपंथी नेतृत्व मजबूत रहेगा। मतदान और नतीजों से पहले आए सर्वेक्षणों में दोनों उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर दिखाई गई थी। वामपंथी विचारधारा

नशा तस्करों पर राजस्थान पुलिस का बड़ा प्रहार, 26 अक्टूबर तक 8,842 आरोपी गिरफ्तार

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत व्यापक कार्रवाई

एक दिवसीय विशेष अभियान में 262 प्रकरण दर्ज, 278 आरोपी गिरफ्तार; 2.91 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त

प्रदेश में अब तक 1,244.20 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद, 30.25 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कार्रवाई



स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान को नशा मुक्त बनाने और मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में संचालित नशामुक्त भारत अभियान के तहत 26 अक्टूबर 2026 तक मादक पदार्थों से संबंधित 7,695 प्रकरण दर्ज कर 8,842 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस अवधि में 220 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार करने के साथ 335 हॉटस्पॉट पर छापेमारी की गई। पुलिस ने मादक पदार्थों की बरामदगी के साथ-साथ तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की है। इसी क्रम में 26 अक्टूबर को प्रदेशभर में एक दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान 262 प्रकरण दर्ज कर 278 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान में 8 सरगनाओं एवं तस्करी को चिह्नित किया गया तथा 6 हॉटस्पॉट पर कार्रवाई की गई। व्यापक जांच अभियान के तहत 3,496 स्थानों की जांच की गई। एक दिवसीय अभियान

एक दिन में नशे के 262 में 278 तस्क-आरोपी गिरफ्तार, 2.91 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त

26 अक्टूबर को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने 14.68 किलोग्राम अफीम, 365.33 किलोग्राम डोडा पोस्ट, 65.74 किलोग्राम गांजा, गांजे के 124 पौधे, 352.82 ग्राम स्मैक, 112.78 ग्राम हेरोइन और 177.57 ग्राम एमडी बरामद की। इसके अतिरिक्त 1,717 नशीली गोलियां भी जब्त की गईं। अभियान के दौरान 4 लाख 98 हजार 105 रुपये नकद जब्त किए गए। बरामद मादक पदार्थ का अनुमानित मूल्य 2 करोड़ 91 लाख 18 हजार 247 रुपये है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 15 वाहन और 8 मोबाइल फोन भी जब्त किए। 26 अक्टूबर तक की कार्रवाई ए अब तक 8,842 गिरफ्तार, 7,695

3.63 लाख से अधिक नागरिक अभियान से जुड़े

राजस्थान पुलिस नशे के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता और जनभागीदारी पर भी जोर दे रही है। 26 अक्टूबर तक अभियान से 3,63,547 नागरिकों को जोड़ा गया। इनमें से 3,58,682 नागरिकों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए शपथ ली। इस अवधि में 3,966 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। नशा मुक्त राजस्थान के लिए पुलिस प्रतिबद्ध

महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में राजस्थान पुलिस का यह अभियान मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने, तस्करी से जुड़े अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने और युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से बचाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। अभियान में कार्रवाई, अवैध संपत्तियों पर प्रहार और जनजागरूकता को साथ लेकर नशा मुक्त राजस्थान के लक्ष्य की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। राजस्थान पुलिस का संकल्प है कि नशा मुक्त राजस्थान, सुरक्षित राजस्थान और स्वस्थ युवा के उद्देश्य को बेहतर सेवाएं दे इसके आर्थिक नेटवर्क पर अंकुश लगाना है।

राज्य स्तरीय बैडमिंटन में नन्हे शटलर अक्षराज ने चमकाया भीलवाड़ा का नाम, जीते दो कांस्य पदक

सीकर में आयोजित सब जूनियर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल तक पहुंचे भीलवाड़ा के उमरते खिलाड़ी, महिराज सिंह पंवार ने भी दिखाया दमदार खेल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (फंक्ज पोरवाल)। राज्य स्तरीय बैडमिंटन कोर्ट पर भीलवाड़ा के नन्हे खिलाड़ी अक्षराज श्रॉत्रिय ने अपने दमदार खेल से प्रतिभा का लोहा मनवाया। सीकर में आयोजित सब जूनियर (अंडर-11 एवं अंडर-13) बैडमिंटन प्रतियोगिता में अक्षराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक अपने नाम किए। एकल और युगल वर्ग के सेमीफाइनल तक पहुंचे अक्षराज ने कड़े मुकाबलों में प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती दी और अपनी खेल प्रतिभा से भीलवाड़ा का नाम रोशन किया। वहीं, भीलवाड़ा के खिलाड़ी महिराज सिंह पंवार ने भी अपने उच्चतम खेल प्रदर्शन से प्रभावित किया। जिला बैडमिंटन संघ, भीलवाड़ा के मानद सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि अक्षराज ने प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक प्राप्त किए। बालक एकल अंडर-11 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में प्रथम वरीयता प्राप्त लक्षित रेवाड़ ने अक्षराज श्रॉत्रिय को 15-6, 15-10 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि अक्षराज को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने पूरे मुकाबले में दमदार खेल और खेल भावना का परिचय दिया। बालक युगल अंडर-11 वर्ग के सेमीफाइनल में अक्षराज श्रॉत्रिय और ईशान चौधरी की जोड़ी का मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त लक्षित रेवाड़ और शीत तंवर की जोड़ी से हुआ। तीन सेट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। लक्षित रेवाड़ और शीत तंवर की जोड़ी ने 15-8, 14-16, 15-7 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। इस मुकाबले में अक्षराज और ईशान ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक सेट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जिला बैडमिंटन संघ, भीलवाड़ा के रितेश श्रॉत्रिय, दारा सिंह, हिरालाल, विनीत शर्मा और राजेश भदवा ने अक्षराज श्रॉत्रिय एवं महिराज सिंह पंवार के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। रितेश श्रॉत्रिय ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और खेल कौशल से जिले को गौरवान्वित किया है। उन्होंने खिलाड़ियों के उच्चल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे आगामी प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर भीलवाड़ा का नाम रोशन करेंगे। राज्य स्तरीय बैडमिंटन में नन्हे शटलर अक्षराज ने चमकाया भीलवाड़ा का नाम, जीते दो कांस्य पदक।

नीलगाय से टकराई बाइक, दो युवक घायल

सिर में गंभीर चोट लगने पर एक युवक प्रयागराज रेफर, निजी अस्पताल में चल रहा इलाज

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र में लोहरपुर चौराहे के पास मंगलवार सुबह नीलगाय से टकराकर बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे प्रयागराज रेफर किया गया, जहां परीजन उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज करा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, खखरेरू नगर पंचायत के वार्ड नंबर चार, जोधा सिंह नगर निवासी रमेश (38) पुत्र देवनाथ और जगपत (करीब 40) पुत्र भीला मंगलवार सुबह लगेभग नौ बजे खखरेरू स्थित पेट्रोल पंप पर बाइक में पेट्रोल भरवाने आए थे। पेट्रोल भरवाने के बाद दोनों बाइक से रहमतपुर बाजार जा रहे थे। इसी दौरान लोहरपुरा चौराहे से करीब 100 मीटर खखरेरू की ओर से उनकी बाइक अचानक नीलगाय से टकरा गई। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए। घायलों को खखरेरू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। वहां जगपत के सिर में गंभीर चोट होने के कारण चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल मंडनपुर रेफर कर दिया। हालत गंभीर देखते हुए वहां से भी उसे प्रयागराज रेफर किया गया। परिवर्जनों ने उसे प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस संबंध में थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि इस विषय में कोई सूचना नहीं दी गई है

सहकार भारती मिठाई प्रकल्प की भट्टी का मुहूर्त संपन्न, सहकारिता के भावों पर मिलेगी शुद्ध मिठाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सहकार भारती मिठाई प्रकल्प द्वारा आज विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भट्टी का मुहूर्त किया गया। जिला संगठन प्रमुख रामनरेश विजयवर्गीय ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर प्रकल्प की सफलता और निरंतर प्रगति की कामना की। जिलाध्यक्ष सुभाष चेचानी ने अपने उद्बोधन में बताया कि सहकार भारती द्वारा मिठाइयों के निर्माण का कार्य वर्ष 1998 से निरंतर किया जा रहा है। प्रकल्प के माध्यम से शहरवासियों को बेहद सहकारिता के भावों पर शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण देसी घी की मिठाइयां उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि इस मिठाई प्रकल्प का भीलवाड़ा शहरवासियों को हर वर्ष उत्साह और हर्ष के साथ प्रतीक्षा रहती है। पूरे शहर में संस्था के 84 वितरण केंद्र के



माध्यम से उचित मूल्य पर मिठाइयों का वितरण किया जाएगा। लोगों के विश्वास और स्नेह के चलते यह प्रकल्प अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मिठाइयों का निर्माण कार्य अग्रसेन भवन, अरिहत हॉस्पिटल के पास, शास्त्री नगर, भीलवाड़ा में किया जा रहा है। यहां उचित दरों पर विभिन्न प्रकार की मिठाइयां एवं नमकीन तैयार कर शहरवासियों को उपलब्ध करवाए जाएंगे। जिला महामंत्री दुर्गालाल सोनी ने बताया की सहकार

नवनीत तोतला, नगर अध्यक्ष संजय पांडे, नगर महामंत्री जगदीश लड्डा, कन्हैयालाल अग्रवाल, सीए मनोज सोनी, मुकेश विष्णोई, सुरेंद्र पटवारी, दिनेश मंत्री, विभागा महिला संयोजक विजया सुराणा एवं किरण सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। नगर संगठन मंत्री मुकुट बंसरे ने बताया कि सहकार भारती का उद्देश्य सहकारिता की भावना को मजबूत करना तथा स्वावलंबन और सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना है। मिठाई प्रकल्प इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से आमजन को उचित दरों पर मिठाई एवं नमकीन उपलब्ध करवाने के साथ संगठन की सहकारिता की भावना को आगे बढ़ाया जा रहा है। अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मिठाई प्रकल्प की सफलता की कामना करते हुए इस वर्ष भी शहरवासियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाने का संकल्प व्यक्त किया।

सुरक्षित माहौल में ही संवरेंगे बच्चों के सपने, भीलवाड़ा के 40 स्कूलों में विधिक जागरूकता शिविर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने और विद्यालयों में सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण के महत्व को समझाने के उद्देश्य से मंगलवार को भीलवाड़ा जिले के करीब 40 सरकारी एवं निजी विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार ट्रांसफॉर्मेटिव द्यूजडे अभियान के तहत आयोजित इन शिविरों में विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों, विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं और सूचना के अधिकार से संबंधित जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अमय जैन के निर्देशन में आयोजित शिविरों के संबंध में प्राधिकरण की सचिव रश्मि आर्या ने बताया कि अभियान के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में 'सुरक्षित स्थान, जहां सपनों को पंख मिलते हैं' विषय पर विधिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की एलएडीसीएस टीम, पैन्ल अवधिकाओं तथा पैरा लोगल



वॉलंटियर्स (पीएलवी) ने विद्यार्थियों को जागरूक किया। शिविरों में बच्चों की सुरक्षित वातावरण की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, बुनियादी ढांचे तथा सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के संबंध में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर उन्हें अपने

अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को ऐसा सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा, जहां वे बिना किसी भय के शिक्षा प्राप्त कर सकें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकें। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार

ट्रांसफॉर्मेटिव द्यूजडे अभियान के अंतर्गत भीलवाड़ा न्याय क्षेत्र में प्रतिमाह अलग-अलग विषयों पर विधिक साक्षरता शिविरों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों और आमजन तक कानूनी जानकारी पहुंचाने तथा विधिक जागरूकता को मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मोतीपुर ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को लेकर उठे सवाल

जबरकिया में LED वॉल के माध्यम से ग्रामीणों के सामने रखे दस्तावेज, पशु आश्रय और मेड़बंदी के कार्यों पर उठाए सवाल

स्मार्ट हलचल

आसौद क्षेत्र। ग्राम पंचायत मोतीपुर के जबरकिया गांव में पंचायत के पिछले दो कार्यकालों के दौरान हुए विकास कार्यों को लेकर सवाल उठाए गए। LED वॉल के माध्यम से ग्रामीणों के सामने दस्तावेज प्रस्तुत कर पशु आश्रय, मेड़बंदी और पौधारोपण जैसे कार्यों की वास्तविक स्थिति पर चर्चा की गई। ग्रामीण मेरूलाल गुर्जर ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में कई ग्रामीणों के नाम पर पशु आश्रय, मेड़बंदी एवं पौधारोपण के कार्यों के लिए सरकारी राशि स्वीकृत होने अथवा भुगतान उठाए जाने की जानकारी दस्तावेजों में सामने आई है, लेकिन उनके अनुसार संबंधित कार्य धरातल पर दिखाई नहीं दे रहे हैं। मेरूलाल गुर्जर ने इन मामलों में सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव की कथित मिलीभगत के आरोप भी लगाए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकारी योजनाओं के तहत राशि जारी हुई है, तो संबंधित कार्यों की वास्तविक स्थिति क्या है और खर्च की गई राशि का भौतिक सत्यापन किस प्रकार किया गया? LED वॉल के माध्यम से दस्तावेज दिखाए जाने के बाद पंचायत के विकास कार्यों, सरकारी धन के उपयोग और अभिलेखों की पारदर्शिता को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इस मामले में संबंधित कार्यों की निष्पक्ष जांच, स्वीकृत राशि एवं भुगतान का विवरण सार्वजनिक करने और धरातल पर हुए कार्यों का भौतिक सत्यापन कराने की मांग उठाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए और विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित होनी चाहिए। अब इन आरोपों की आधिकारिक जांच और संबंधित विभाग के रिकॉर्ड के सत्यापन से ही स्पष्ट हो सकेगा कि दस्तावेजों में दर्ज कार्य वास्तव में कितने हुए हैं और सरकारी राशि का उपयोग किस प्रकार किया गया।



थलकला में मैना हरीश चौधरी सरपंच और रेगार उपसरपंच निर्वाचित



स्मार्ट हलचल

काछोला -ग्राम पंचायत थलकर्तों में पंचायत चुनाव के बाद नई पंचायत का गठन हुआ है। सरपंच पद पर मैना हरीश चौधरी निर्वाचित हुईं, जबकि उपसरपंच पद पर सावर लाल रेगार ने जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों का ग्रामीणों की ओर से स्वागत किया गया। नवनिर्वाचित सरपंच मैना हरीश चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि थलकला पंचायत का विकास उनकी पहली प्राथमिकता होगी और मूलभूत सुविधाएं समय पर मिलें और उन्होंने जनसमस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।वही पंचायत क्षेत्र में शिक्षा,चिकित्सा,खेलकूद,और गली मोहल्ले में सीसी सड़क और नाली निर्माण प्राथमिकता से कार्य होगा। ग्राम पंचायत के 9 वार्डों में भी प्रत्याशियों ने जीत हासिल कर प्रतिनिधित्व प्राप्त किया। वार्ड प्रतिनिधि के रूप में सरपंच मैना हरीश चौधरी, उपसरपंच सावर लाल रेगार, वार्ड पंच धिरा लाल गुर्जर, प्रेम लाल कहार, फोरु लाल कहार, उदयलाल जाट, कमलेश गर्ग, भवर सिंह, रामलाल बेरवा, मुकेश वैष्णव निर्वाचित हुए जिनका ग्रामीणों ने स्वागत किया।

नगरपालिका से वेरीफाई होने वाले ई-मित्र सेवा के आवश्यक कार्य अटके होने से बीगोद के नागरिक परेशान

स्मार्ट हलचल

आकोला स्थानीय नगरपालिका क्षेत्र के नागरिकों ने बताया है कि जन्म- मृत्यु प्रमाणपत्र, विवाह प्रमाणपत्र,जन आधार एवं पेंशन वेरीफाई नहीं हो पा रही है। जिससे लोगों को समय पर पेंशन नहीं मिल पा रही है।राज्य सरकार की पी एम किसान निधि योजना का कार्य करीब दस माह से बंद है। खाद्य सुरक्षा फार्म ओके नहीं हो पा रहे हैं। नगरपालिका बनी तब से ही राशन कार्ड की ई-मित्र सेवा साईड बंद है।नगरपालिका से आवश्यक प्रपत्र समय पर ओके नहीं होने से समस्या हो रही है। स्थानीय नागरिक गुलाब नन्दी ने बताया है कि सरकार से पी एम किसान सम्मान निधि योजना से 2000 रुपये आते थे।ओ एक वर्ष से बंद है। स्थानीय युवक युजुस सिलावट आदि नागरिकों का कहना है कि नगरपालिका में कार्मिकों की कमी से नगरपालिका सम्बंधित ई मित्र सेवा सम्बंधित उक्त कार्य अटके है। जिससे आम नागरिकों के आवश्यक कार्य समय पर नहीं होने की लोगों की शिकायत है। नागरिकों ने नगरपालिका में रिक्त पद शीघ्र भर कर आवश्यक कार्य की सेवा समय पर उपलब्ध करवा कर आम लोगों को राहत प्रदान करने की मांग की है।

पटाखा दुकानों के आवंटन में अनियमितताओं की आशंका, एसडीएम से सख्त नियम बनाने की मांग

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)- शाहपुरा।दीपावली पर्व पर शाहपुरा में पटाखा दुकानों के आवंटन को लेकर अनियमितताओं की आशंका जताते हुए अभिषेक कसेरा ने उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को जापन देकर आवंटित दुकान का संचालन संबंधित आवंटि द्वारा स्वयं किए जाने की मांग की है। उन्होंने दुकानों को दूसरे व्यक्तियों को देने या बोली लगाकर बेचने पर रोक लगाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले को खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। जापन में कसेरा ने बताया कि पूर्व में हर साल पटाखा दुकानों के लिए करीब 20 आवेदन आते थे, जबकि इस बार आवेदनों की संख्या बढ़कर 59 हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग एक ही दुकान के लिए 10 से 15 आवेदन भर रहे हैं। इससे हर साल पटाखा दुकान लगाने वाले पुराने और वास्तविक दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि पटाखा दुकान का आवंटन जिस व्यक्ति के नाम पर हो, दुकान वही व्यक्ति संचालित करे। आवंटि को अपनी दुकान किसी अन्य व्यक्ति को देने या बोली लगाकर बेचने की अनुमति नहीं दी जाए। यदि कोई आवंटि नियमों का उल्लंघन करता पाया जाए तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए या जुर्माना लगाया जाए। कसेरा ने उपखंड अधिकारी से पटाखा दुकानों के आवंटन में पारदर्शिता बनाए रखने तथा सभी आवेदकों के साथ निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम लागू करने की मांग की है।



05

गुलाबपुरा) प्रायजिम्मा रोग निवारक समिति की ओर से मंगलवार को संस्था परिसर में आयोजित शिथल शिविर में 145 मरीजों को उपचार व दवाई दी गई। पंद्रहमें 16 नए मरीज शामिल थे। जयपुर मेमोरियल यूनिवर्सिटी कॉलेज एचएसपीएल के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आरके चुरेखा की टीम ने सेवाएं दीं। शिविर में अनिल चौधरी ने मरीजों को मीमिग से बचाव और योग के महत्व की जानकारी दी। हेतु निर्यमित अस्थाय पर दिया। समिति मंत्री पदमचंद खलौते ने संस्था की गतिविधियां बताईं, जबकि कोषाध्यक्ष राजेंद्र चोड़िया ने आभार व्यक्त किया। शिविर का संचालन अनिल चौधरी ने किया। 300 से अधिक लोगों का भोजन सेवा: स्व. हरकचंद लोढ़ा की पुण्य स्मृति में लोढ़ा परिवार, धनुरी (विजयनगर) की ओर से अक्टूबर माह में मरीजों और परिजनों के लिए नि:शुल्क भोजन व्यवस्था की गई, जिसका लाभ 300 से अधिक लोगों ने लिया। शिविर में मरीजों का मंडल ब्यावर और महिला मंडल सिरकाली के सदस्यों सहित संस्था कार्यकर्ताओं से संवाएं दीं।

मैनेजर मीटिंग का हुआ आयोजन
प्रतियोगिता आयोजन की पूर्व संस्था पर प्रतियोगिता स्थल पर मैनेजर मीटिंग का आयोजन हुआ। जिसमें आयोजन सचिव डॉ॰ विजय सिंह ने प्रत्येक टीम के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए टीम मैनेजर एवं कोच को प्रतियोगिता से संबंधित नियमों की जानकारी दी और उनसे अनुशासन बनाए रखने की अपील की। 60 विश्वविद्यालय के खिलाड़ी छात्रों के साथ लगभग 120 टीम मैनेजर एवं कोच भी कोटा आए हुए हैं।

कटूमर थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर और भोजपुरा में खेतों से हजारों फीट केबल व डिलीवरी हुई चोरी
अज्ञात चोरों ने सात किसानों के खेतों को बनाया निशाना, पुलिस ने मौका मुआयना कर शुरू की जांच

स्मार्ट हलचल

कटूमर। कटूमर थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर और भोजपुरा में खेतों पर लगे सबमर्सिबल बोरों से विद्युत केबल और पानी की डिलीवरी चोरी होने के मामले सामने आए हैं। अज्ञात चोर सोमवार रात 26 अक्टूबर को किसानों के खेतों से हजारों फीट केबल और डिलीवरी काटकर ले गए। पीड़ित किसानों ने चोरी की घटनाओं के संबंध में पुलिस थाने में लिखित



परिवाद देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार गांव सलेमपुर निवासी रामखिलाड़ी मोणा ने परिवाद में बताया कि उनके खेत पर लगे सबमर्सिबल बोर से करीब 700 फीट विद्युत केबल और 350 फीट पानी की डिलीवरी चोरी कर ली गई। वहीं, गांव के कलुआ राम सैनी के खेत से भी करीब 125 फीट विद्युत केबल चोरी होने की सूचना दी गई है। इसी प्रकार गांव भोजपुरा निवासी बृद्धराम शर्मा के खेत से करीब 200 फीट, शिवचरण पुत्र रामचंद्र शर्मा के खेत से 120 फीट तथा मोहनलाल पुत्र रामचंद्र शर्मा के खेत से 60 फीट विद्युत केबल चोरी कर ली गई। इसके अलावा मोतीलाल पुत्र बौद्ध सिंह जाटव के खेत से भी करीब 140 फीट केबल चोरी होने की शिकायत सामने आई है। किसानों के अनुसार, अज्ञात चोर खेतों पर लगे सबमर्सिबल बोरों की केबल काटकर ले गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। घटनाओं का पता चलने पर पीड़ितों ने पुलिस को लिखित सूचना दी। थानाधिकारी चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि खेतों से केबल चोरी होने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। अज्ञात चोरों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस की ओर से घटनाओं से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कनवास चौराहे पर धरना समाप्त, मृतक के परिजनों को मिली 1.75 लाख रुपए की सहायता



स्मार्ट हलचल

सांगोद 27 अक्टूबर को कनवास थाना क्षेत्र के जालिमपुरा गांव निवासी चेताराम बैरवा की सड़क हादसे में घायल होने के करीब तीन साल बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद मुआवजे की मांग को लेकर परिजन और ग्रामीण कनवास-आवां चौराहे पर शव रखकर धरने पर बैठ गए और जाम लगा दिया था। प्रदर्शन के दौरान डंपर मालिक चौधमल नागर ने 75 हजार रुपए, शंभर वर्मा (गुर्जर) ने 50 हजार रुपए और कौशल कुमार सोनी ने 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी। इस तरह कुल 1 लाख 75 हजार रुपए की सहायता राशि दी गई। इसके साथ ही प्रशासन से परिजनों को आगे भी कानूनी प्रक्रिया के तहत सहयोग दिलाने की मांग की गई। मृतक के पुत्र दीपक बैरवा के अनुसार, 28 दिसंबर 2023 को क्रेशर पर चलने वाले एक डंपर की टक्कर से चेताराम बैरवा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। इसके बाद से ही उनका लगातार इलाज चल रहा था। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई प्रहलाद ने बताया कि हादसे के बाद कनवास थाने ने रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। मामला वर्तमान में न्यायालय में विचारार्थ है। परिजनों का कहना है कि करीब तीन साल तक चले इलाज में उन्हें अपनी दो बीघा जमीन तक बेचनी पड़ी और लाखों रुपए खर्च करने पड़े। परिजन इलाज में खर्च हुई राशि की भरपाई और उचित मुआवजे की मांग कर रहे थे। कुल 1 लाख 75 हजार रुपए की सहायता मिलने के बाद प्रशासन से मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में सहयोग दिलाने की मांग की गई।मंगलवार को दोपहर 1बजे कनवास थानाधिकारी अनूप सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत की। इसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया और परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने पर सहमत हुए।

अधिवक्ताओं के साथ विधिक संगोष्ठी आयोजित, राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरणों के निस्तारण पर जोर

जिला एवं सेशन न्यायाधीश अनंत भंडारी ने विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी देकर अधिवक्ताओं को किया प्रेरित...

स्मार्ट हलचल

कटूमर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश अनंत भंडारी की अध्यक्षता में विधिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति कटूमर की सचिव रुचि शर्मा ने बताया कि संगोष्ठी में अधिवक्ताओं के साथ विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं, पीडित प्रतिकर योजना, विधिक सहायता तथा आमजन को न्याय सुलभ कराने से जुड़े विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। जिला एवं सेशन न्यायाधीश अनंत भंडारी ने अधिवक्ताओं को विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने तथा जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आगामी 12 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में चर्चा करते हुए



राजौनामा योग्य प्रकरणों को लोक अदालत में संदर्भित करवाने और आपसी सहमति से अधिकाधिक मामलों का निस्तारण कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से पक्षकार आपसी समझाइश और सहमति से विवादों का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। अनंत भंडारी ने मोडिेशन और द नेशन अभियान के तहत भी अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को अधिक से अधिक प्रकरण मध्यस्थता के लिए भेजने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मध्यस्थता की प्रक्रिया के माध्यम से विवादों का

‘राइजिंग नीमराणा’ में औद्योगिक विकास और निवेश विस्तार पर मंथन

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने औद्योगिक विकास एवं निवेश संवर्धन पर दिया जोर

कहा-नीमराणा वैश्विक औद्योगिक पहचान की ओर अग्रसर



जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि औद्योगिक विकास के लिए आधुनिक तकनीक और निवेश को बढ़ावा देना आवश्यक है। राज्यपाल श्री बागडे मंगलवार को कोटपुतली-बहरोड़ जिले के नीमराणा स्थित एनआईआईटी यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में नीमराणा इंडस्ट्री एसोसिएशन एवं रेज एक्सपर्ट के संयुक्त तत्वावधान में द टाइम्स ऑफ इंडिया के द्वारा औद्योगिक विकास एवं निवेश संवर्धन की परिकल्पना के साथ आयोजित ‘राइजिंग नीमराणा’ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने औद्योगिक विकास, निवेश विस्तार, भारत-जापान सहयोग तथा देश की आर्थिक प्रगति के विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किए। राज्यपाल श्री बागडे ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार औद्योगिक विकास और निवेश संवर्धन को गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में आधुनिक विनिर्माण तकनीकों को



भारत-जापान सहयोग, आधुनिक विनिर्माण तकनीक और निवेश से औद्योगिक विकास को मिलेगी गति
राज्यपाल ने उद्योगों एवं संस्थाओं को किया सम्मानित

प्रोत्साहित करने तथा निवेश संबंधी योजनाओं को धरातल पर लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नीमराणा निरंतर औद्योगिक क्षेत्र में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और वैश्विक औद्योगिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान की ओर अग्रसर है। राज्यपाल ने भारत-जापान आर्थिक संबंधों का

उल्लेख करते हुए कहा कि जापानी उद्योगों एवं निवेश को बढ़ावा देने, औद्योगिक साझेदारी को विस्तार देने तथा उत्पादों के आयात-निर्यात को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक तकनीक, निवेश और पारस्परिक सहयोग के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में नई संभावनाओं का सृजन किया जा सकता है। उन्होंने भारत में बुलेट ट्रेन सहित विभिन्न क्षेत्रों में जापान द्वारा दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने भारत और जापान के ऐतिहासिक संबंधों तथा दोनों देशों की संघर्ष और विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए आर्थिक प्रगति, तकनीकी नवाचार और औद्योगिक विस्तार में आपसी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय इतिहास, संस्कृति, नैतिक मूल्यों, समृद्ध परंपराओं और शिक्षा को देश की महत्वपूर्ण धरोहर बताते हुए इनके संरक्षण एवं संवर्धन पर बल दिया।



मुख्य सचिव ने निदेशालय आईसीडीएस की योजनाओं की समीक्षा की

ईसीसीई में नवाचारों की सराहना, कुपोषण में कमी एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण सेवाओं में संवर्धन के निर्देश

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभाग की शासन सचिव पूनम एवं निदेशक, संमेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) श्री वासुदेव मालावत, वित्तीय सलाहकार श्री मनोज शांडिल्य सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने विभाग द्वारा शाला पूर्व देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की और उन्हें निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर एनईपी आधारित आधारशिला



पाठ्यक्रम को और अधिक प्रभावी करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि आधारशिला के माध्यम से खेल, गतिविधियाँ एवं अन्वेषण आधारित शिक्षण पद्धति से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्य सचिव द्वारा सराहे गए प्रमुख नवाचार एवं सकारात्मक उपलब्धियां
1. 98.5% आंगनबाड़ी केंद्रों का विद्यालयों से सह-स्थापन: प्रदेश में 98.5% आंगनबाड़ी केंद्रों (61,483 केंद्रों) को विद्यालयों के साथ सह-स्थित एवं मैप किया जा चुका है, जिससे बच्चों का प्राथमिक विद्यालय में सहज प्रवेश सुनिश्चित हो रहा है।
2. 1,000 चैंपियन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का क्षमता वर्धन विभाग द्वारा उक्त उद्यम करने वाली 1,000 उच्च प्रदर्शन करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का चयन चैंपियन के रूप में किया गया है।

नुककड़ नाटक से जगाई मतदान की अलख, विद्यार्थियों ने बताया हर वोट का महत्व

स्वीप अभियान के तहत विद्यार्थियों ने किया जागरूक, निष्पक्ष और निर्भीक मतदान की अपील

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर । लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मत की अहमियत को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला स्वीप टीम की ओर से जिले के राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान विद्यार्थियों ने नुककड़ नाटकों के माध्यम से आमजन को मतदान के प्रति जागरूक किया और अपने मतार्थिकार का जिम्मेदारी को मतदान करने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने प्रभावशाली अभिनय, संवादों और नारों के जरिए समझाया कि लोकतंत्र की असली ताकत जागरूक मतदाता हैं। प्रत्येक वोट देश और समाज के भविष्य को दिशा देने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने लोगों से बिना किसी भय या दबाव के निष्पक्ष मतदान करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की।
रचनात्मक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ने पर जोर
अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी धनदान देया ने कहा कि मतदाता जागरूकता लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नुककड़ नाटक जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से मतदान का संदेश सरल और प्रभावी तरीके से

आमजन तक पहुंचाया जा सकता है। जिला स्वीप टीम की ओर से विभिन्न विषयों पर नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि युवा पीढ़ी लोकतांत्रिक मूल्यों को समझे और पात्र मतदाता अपने मतार्थिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित हों। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने जागरूक मतदाता बनने और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया। इन गतिविधियों का उद्देश्य जिले में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनभागीदारी को मजबूत करना है।

पीएम श्री स्कूलों के शिक्षकों का जिला स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण आज से

स्मार्ट हलचल

उदयपुर समग्र शिक्षा अभियान के तहत अब पीएम श्री विद्यालयों की बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाकर ‘सबल और सजग’ बनाया जाएगा। इसके लिए उदयपुर और सलूबर जिले के चयनित शारीरिक व सामान्य शिक्षकों का जिला स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण 28 अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है, जो 5 नवंबर तक चलेगा। प्रभारी सहायक जिला परियोजना समन्वयक कन्हैया लाल सुधार के अनुसार, इस 7 दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पानेरियों की मादड़ी में किया जा रहा है। प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी पंकज कलाल के अनुसार प्रशिक्षण सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगा। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी शिक्षकों के लिए ब्लू लोअर और सफेद टी-शर्ट का ट्रैक सूट पहनना अनिवार्य किया गया है। साथ ही सभी संबन्धित संस्था प्रधानों को पाबंद किया गया है कि वे चयनित शिक्षकों को समय पर कार्यमुक्त कर पूरी यूनिफॉर्म के साथ प्रशिक्षण में भेजें। विभागीय आदेश के अनुसार, इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कक्षा 6 से 12वीं तक की छात्राओं को आत्मरक्षा की तकनीकों में परागत करना है। यदि कोई शिक्षक इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एमजीजीएस पानेरियों की मादड़ी की प्रधानाचार्य को प्रशिक्षण के लिए हॉल, प्रोजेक्टर, लैपटॉप और टेबल जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

गुरुओं के अवतरण दिवस पर सेवा की मिसाल, मरीजों को बाटे फल



श्री विद्यासागर युवा संगठन की पहल, रावैका परिवार ने निभाई पुण्य सेवा की भूमिका

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। परमपूज्य गुरुवर के पावन अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में श्री विद्यासागर युवा संगठन की ओर से सेवा एवं परोपकार की भावना के साथ फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगठन के सदस्यों ने अमृतकौर चिकित्सालय, चांदमल मोदी औषधालय एवं वृद्धाश्रम में मरीजों और जरूरतमंदों को फल वितरित किए। इस दौरान सेवा, करुणा और मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के पुण्यार्जक श्रेष्ठी वीरकुमार जी, कमल कुमार जी, सन्मति जी, कल्प जी एवं समस्त रावैका परिवार रहे। परिवार के सहयोग से आयोजित इस सेवा कार्य में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। श्री विद्यासागर युवा संगठन धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ सामाजिक सेवा और जनकल्याण के कार्यों में भी निरंतर सक्रिय रहता है। संगठन का उद्देश्य समाज में सेवा, समर्पण, करुणा और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है। गुरुवरों के अवतरण दिवस पर मरीजों एवं जरूरतमंदों की सेवा करना संगठन के लिए भीमोध्य का विषय है। कार्यक्रम में कमल रावका, दिनेश अजमेरा, संजय रावका, रूपचंद कासलीवाल, वीरेंद्र गोधा, सन्मति रावका, जीतू ठोलिया, कल्प्ये जैन, अमित गोधा, उज्ज्वल काला, संतोष कासलीवाल, राजू रावका, धर्मेन्द्र जैन, शरद जैन, आशीष जैन, यश जैन सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग कर सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अवैध मादक पदार्थ स्मैक के प्रकरण में 04 साल से फरार धारा-299 सीआरपीसी में वांछित आरोपी पंकज भारद्वाज उर्फ बन्दी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी भवानी मंडी पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी की एक प्रकरण में 4 वर्ष से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि वर्तमान में श्रीमान महानिदेशक पुलिस राजस्थान, पुलिस मुख्यालय जयपुर के द्वारा एवं पंचायत चुनाव वर्ष 2026 के दौरान एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहे वांछित मुलजिमजन की धरकष्ट हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत सभी थानाधिकारियों को थाना स्तर पर टीम गठित कर उक्त अभियान में कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये हैं। उक्त विशेष अभियान के दौरान पुलिस थाना भवानीमण्डी के द्वारा टीम गठीत कर वर्ष 2022 से फरार धारा-299 सीआरपीसी में वांछित आरोपी पंकज भारद्वाज उर्फ बन्दी पुत्र राम अवतार जाति पंजाबी उम्र-41 साल निवासी 55/12, फ्रोंट साइड समतल, अशोक नगर पुलिस थाना हरिनगर दिल्ली जिला-पश्चिम दिल्ली (दिल्ली) को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है।

घटना विवरण:- 10 जुलाई 2022 को पुलिस थाना भवानीमण्डी जिला-झालावाड पर प्रकरण संख्या-308/2022 धारा-08/21/29 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। प्रकरण हाजा में मुलजिम रामकरण पुत्र श्री रत्नलाल जाति भाम्नी (बुनकर) उम्र-40 साल निवासी फरमाजी डेरा पोस्ट धिनीवा पुलिस थाना खांचरोद जिला-उज्जैन मध्यप्रदेश के कब्जे से 105 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की गई।

कार्यवाही पुलिस:- जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक भागचंद मोणा झालावाड के निर्देशन एवं भवानी मंडी पुलिस उप अधीक्षक सचनारायण गोवारा के निकटतम सुपरचिजन में प्रमोद कुमार (पु.नि.) थानाधिकारी पुलिस थाना भवानीमंडी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा वर्ष 2022 से फरार धारा-299 सीआरपीसी में वांछित आरोपी पंकज भारद्वाज उर्फ बन्दी पुत्र श्री राम अवतार जाति पंजाबी उम्र-41 साल निवासी 55/12, फ्रोंट साइड समतल, अशोक नगर पुलिस थाना हरिनगर दिल्ली जिला-पश्चिम दिल्ली (दिल्ली) को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है।

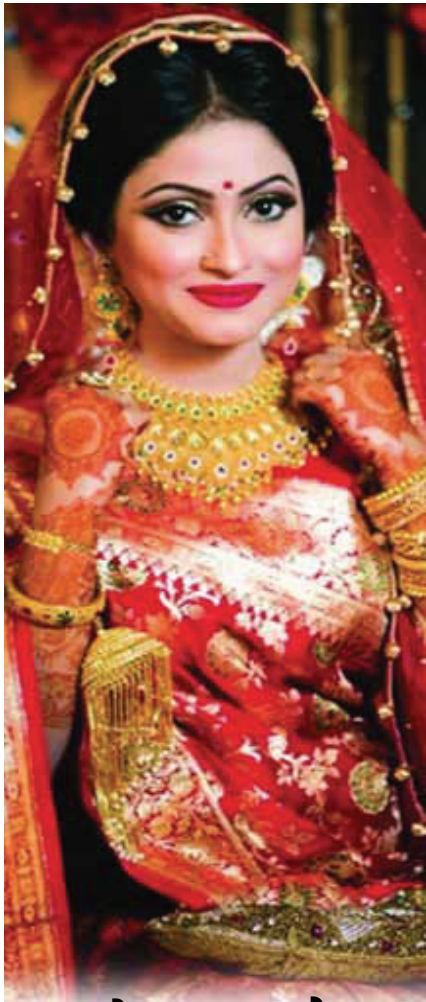
गिरफ्तार आरोपी:- पंकज भारद्वाज उर्फ बन्दी पुत्र श्री राम अवतार जाति पंजाबी उम्र-41 साल निवासी 55/12, फ्रोंट साइड समतल, अशोक नगर पुलिस थाना हरिनगर दिल्ली जिला-पश्चिम दिल्ली (दिल्ली)

गठित टीम:- प्रमोद कुमार (पु.नि.) थानाधिकारी पुलिस थाना भवानीमंडी हरिराम सैनी कानि।1258 पुलिस थाना भवानीमंडी

साहिब श्री गुरु रामदास जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व का श्रद्धापूर्ण आयोजन

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी साहिब श्री गुरु रामदास जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व को बड़ी श्रद्धा - भावना के साथ मनाया गया । इस पावन अवसर पर प्रातःकाल श्री आसा दी वार की सेवा गुरुसिख परिवार द्वारा की गई। प्रातःकालीन दीवान की समाप्ति 9 बजे हुई। इसके उपरांत विशेष कीर्तन दीवान सुबह 11 बजे से आरंभ किया गया। इस दीवान में रघो गार श्री सहाह पाठ साहित जी की समाप्ति हुई। इसके बाद विशेष कीर्तन दीवान में हुजुरी रागी सतनाम सिंह और हस्कीरत सिंघ द्वारा रूहानी कीर्तन सेवा की गयी । संपूर्ण कार्यक्रम की समाप्ति 12:30 बजे हुई। समाप्ति पर सभी के लिए सरबत के भले की अरदास की गई। समूची संगत ने दोनों दीवानों में उपस्थित दर्ज की और श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गुरु जी के अटूट लंगर की सेवा गुरुद्वारा हाल में की गई। जिसमें सभी समाज के लोगों ने प्रसादी लिया और सेवा कार्यों में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर सचिव अमनदीप सिंह ने सिस्यों के चौधे गुरु साहिब श्री गुरु रामदास जी महाराज के जीवन, इतिहास और उनके महत्वपूर्ण योगदान को संगत के साथ विस्तार से साझा किया। उन्होंने गुरु जी द्वारा श्री अमृतरसर शहर की स्थापना, श्री हरिमंदिर साहिब के निर्माण की नींव रखने तथा सिख समाज को संगठित करने में दिए गए अमूल्य योगदान का उल्लेख किया, साथ ही श्री गुरु रामदास जी ने लावां (फेरे) की प्रथा को सिक्ख मर्यादा के अनुसार समाज में स्थापित किया, जिसका विशेष रूप से जिक्र किया गया।



पहले करवा चौथ पर क्या है शादी का जोड़ा पहनने का महत्व?

लोक मान्यता है कि पहले करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाओं को शादी का जोड़ा पहनना चाहिए क्योंकि ऐसा माना जाता है कि शादी का जोड़ा विवाह के समय बहुत पवित्र हो जाता है।

करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं पति की लम्बी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और करवा माता एवं चंद्रमा की पूजा करती हैं। करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं लाल रंग के कपड़े पहनती हैं। विशेष रूप अगर पहला करवा चौथ है तो शादी के जोड़े को दोबारा इस दिन पहनने का विधान है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि आखिर क्यों पहले करवा चौथ पर सुहागिन महिलाएं पहनती हैं शादी का जोड़ा और क्या है उससे मिलने वाले लाभ। पहले करवा चौथ पर क्यों पहना जाता है शादी का जोड़ा?

लोक मान्यता है कि पहले करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाओं को शादी का जोड़ा पहनना चाहिए क्योंकि ऐसा माना जाता है कि शादी का जोड़ा विवाह के समय बहुत पवित्र हो जाता है। फेरों के दौरान जब शादी के जोड़े को पहने लड़की अग्नि के चक्कर लगाती है तब उस अग्नि के प्रभाव से वह जोड़ा शुद्ध हो जाता है। वहीं, जब इस पवित्र जोड़े को शादी के बाद पहले करवा चौथ पर दोबारा पहना जाता है, तब इसकी शुद्धता से पूजा में पवित्रता और बढ़ जाती है। साथ ही, वैवाहिक जीवन में इसका शुभ प्रभाव देखने को मिलता है। वैवाहिक जीवन में मधुरता आने लगती है। दांपत्य जीवन का क्लेश दूर होता है और रिश्ता मजबूत बनता है। इसके अलावा, करवा चौथ के दिन शादी का जोड़ा पहनने से पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ता है। हालांकि शादी का जोड़ा पहनते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह गंदा न हो या कहीं से भी फटा-कटा न हो नहीं तो इससे पूजा में दोष लगता है और वैवाहिक जीवन में परेशानियां आनी शुरू हो जाती हैं। क्लेश बढ़ने लगता है।



करवा चौथ पर इंडो वेस्टर्न आउटफिट के साथ पहनें ये ज्वेलरी

सुंदर दिखना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन लुक तभी अच्छा लगता है, जब आप अलग-अलग तरह के लुक को रीक्रिएट करते हैं। इस बार आप इंडो वेस्टर्न आउटफिट को स्टाइल करें। इससे आपके लुक में कुछ डिफरेंट डिजाइन ऐड होगा। इसे और अट्रैक्टिव बनाने के लिए साथ में ज्वेलरी वियर करें। मार्केट में कई सारी फैसी डिजाइन वाली ज्वेलरी मिलती है। इसे स्टाइल करके आप अपने लुक को परफेक्ट बना सकती हैं।

हैवी चोकर नेकलेस सेट

अगर आप ऑफ शोल्डर ड्रेस को स्टाइल कर रही हैं, तो इसके साथ आप हैवी चोकर सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के चोकर सेट में आपको मल्टी लेयर और कलर दोनों मिल जाएंगे। इसलिए इसे किसी भी आउटफिट के साथ पहना जा सकता है। मार्केट में इस तरह के सेट आपको आसानी से मिल जाएंगे। जिसे आप 200 से 300 रुपये में खरीद सकती हैं। बस आपको अपनी गर्दन का ध्यान रखना है और एक बार ट्राई जरूर करना है। इससे आप सेट के डिजाइन को सही तरीके से देख पाएंगी।

इयरकफ करें स्टाइल

बड़े-बड़े इयररिंग्स या झुमकी की जगह पर आप इयरकफ को स्टाइल करें। इस तरह के इयरकफ पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको काफी सारे अलग-अलग डिजाइन मिल जाएंगे। जिसे आप अपनी ड्रेस से मैच करके वियर करें। आप चाहें तो सिंपल डिजाइन वाले खरीदकर भी वियर कर सकती हैं, ताकि इसे दोबारा किसी और ड्रेस के साथ मैच किया जा सके। आपके इस तरह के इयररिंग्स पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। साथ ही, ये आपको मार्केट में 100 से 200 रुपये में मिल जाएंगे।

बैंगल्स को करें वियर

आउटफिट के साथ सेट और इयररिंग्स हर कोई पहनता है, लेकिन आप हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए बैंगल्स को भी स्टाइल करें। आजकल कांच के साथ-साथ मेटल और ऑक्सीडाइज्ड डिजाइन में बैंगल्स मिल जाएगी, जो वियर करके अच्छी लगेंगी। इसमें आप चाहें तो पूरा सिंगल सेट भी ले सकती हैं। मार्केट में ये आपको 200 से 300 रुपये में मिल जाएंगे। जब आप इसे आउटफिट के साथ वियर करेगी, तो हाथ सुंदर लगेंगे।



हम सभी चाहते हैं कि हमारे पैर खूबसूरत नजर आए और इसके लिए हम आप दिन पार्लर में जाकर पेडीक्योर भी करवाते हैं। बदलते मौसम में त्वचा भी भी बदलने लगती है। ऐसे में बार-बार पार्लर में जाकर पैसे खर्च करना हम बिल्कुल भी नहीं चाहते हैं। वहीं क्या आप जानती हैं कि आप बिना पैसे खर्च किए भी पेडीक्योर कर सकती हैं। तो आइये आज हम आपको बताने वाले हैं कैसे ब्लीच एक्टिवेटर की मदद से आप

पैरों को साफ कर सकती हैं। साथ ही, बताएंगे पेडीक्योर करने का आसान तरीका-

कैसे करें घर पर पेडीक्योर?

- सबसे पहले अपने पैरों को पानी से धो लें और तैलिय की मदद से सुखा लें। इसके बाद एक टब में गुनगुने पानी में लगभग 5 मिनट तक पैरों को भिगोकर रखें।
- इसके बाद आप एक बाउल में ब्लीच

करवाचौथ के दिन घर पर ही करें पेडीक्योर जानें सही तरीका

के साथ में मिला और एक्स्ट्रा बचा हुआ एक्टिवेटर डालें और जरूरत अनुसार पानी मिलकर पेस्ट तैयार कर लें।

- ध्यान रहे कि सेंसिटिव स्किन पर ब्लीच एक्टिवेटर या किसी भी अन्य चीज का इस्तेमाल करने से बचें और एक्सपर्ट की सलाह लिए बिना कुछ भी त्वचा पर न लगायें।
- इसके बाद पेस्ट को पैरों में अच्छी तरह से लगा लें। पमिस स्टोन की मदद से पैरों पर हल्के हाथों से मसाज करें ताकि टैनिंग और पैरों में मौजूद गंदगी अच्छी तरह से निकल जाए।
- लगभग 10 से 15 मिनट इस पेस्ट को पैरों में लगा रहने दें। टब में मौजूद गुनगुने पानी की मदद से पैरों को साफ कर लें।
- तैलिय की मदद से पैरों को साफ करें और बॉडी मॉइस्चराइजर की मदद से त्वचा को ड्राई होने से बचाएं।
- इस तरह आप हफ्ते में 1 से 2 बार तक ब्लीच के साथ मिले एक्स्ट्रा एक्टिवेटर की मदद लेकर पैरों को साफ कर सकती हैं।
- बता दें कि यह स्किन व्हाइटनिंग ट्रीटमेंट का काम भी करता है।



छोटे नाखूनों के लिए परफेक्ट हैं नेल आर्ट के ये डिजाइंस

नाखूनों को खूबसूरत बनाने के लिए उनकी सही तरीके से देखभाल करना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आप घर पर ही मैनीक्योर और पेडीक्योर कर सकती हैं।

हम सभी चाहते हैं कि हमारे नाखून खूबसूरत नजर आए और इसके लिए हम आप दिन बाजार से नए-नए नेल आर्ट करवाना पसंद करते हैं। नेल आर्ट के कई डिजाइंस आपको ऑनलाइन देखने को भी मिल जाएंगे, लेकिन जरूरी नहीं है कि वे डिजाइन आपके नाखूनों पर खूबसूरत नजर आए। वहीं नेल शेप के अनुसार भी डिजाइन को चुनना बेहद जरूरी होता है। खासकर छोटे नाखूनों के लिए नेल आर्ट के डिजाइन को चुनने में दिक्कत होती है। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं छोटे आकार के नाखूनों के लिए नेल आर्ट के ये लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन नेल आर्ट के डिजाइन को बनाने का आसान तरीका-

स्टोन नेल आर्ट डिजाइन

स्टोन में आपको कई तरह के डिजाइन और कलर ऑप्शन देखने को मिल जाएंगे। मिनिमल और सिंपल लुक के लिए आप किसी भी कलर का नेल पेंट लगाकर इस पर ग्लिटर ग्लू की मदद से स्टोस को चिपका सकती हैं। स्टोन के साइज के लिए आप छोटे आकार को चुनें। ऐसा इसलिए क्योंकि छोटे नाखूनों पर बड़े साइज के स्टोन अच्छे नहीं लगते हैं।

लाइन डिजाइन नेल आर्ट

लाइन डिजाइन में आजकल हैवी लुक के लिए ग्लिटर वर्क लाइन वाले नेल आर्ट बेस्ट नजर आते हैं। इस तरह के नेल आर्ट बनाने के लिए आपको मार्केट में ग्लिटर नेल पेंस आसानी से मिल जाएंगे। अलग-अलग कलर के ग्लिटर नेल पेंस की मदद से आप मनचाहा डिजाइन नाखूनों पर बना सकती हैं।

मल्टी-कलर नेल आर्ट डिजाइन

कलरफुल नेल्स पसंद करती हैं तो इस तरह के रंग-बिरंगे कलर्स के केवल डॉट-डॉट कर नाखूनों के टिप पर डिजाइन बना सकती हैं। इस तरह का डिजाइन बनाने के लिए आप टूथपिक की मदद ले सकती हैं। टूथपिक को सबसे नेल पोलिश में डूबोकर इस तरह से कलर को नाखून पर लगा सकती हैं।



फ्लोरल नेल

आर्ट डिजाइन

फ्लोरल डिजाइन में आपको कई तरह के नेल आर्ट के डिजाइंस को देखने को मिल जाएंगे। आप चाहें तो सभी नाखूनों पर इस तरह से अलग कलर का इस्तेमाल करके नेल आर्ट कर सकती हैं या चाहें तो इस तरह के अलग से स्टीकर खरीदकर चिपका सकती हैं। इसमें सबसे ज्यादा प्स्टल कलर कॉम्बिनेशन को पसंद किया जाता है।



करवा चौथ पर चाँद की तरह चमकेगी आप

अगर आप करवा चौथ पर भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं तो आप इन प्स्टल कलर की साड़ी का चुनाव कर सकती हैं और इस तरह की साड़ी न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। साड़ी ग्लॉ ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन है तो वहीं इसमें आप स्टाइलिश भी नजर आती हैं। साड़ी कई सारे खास मौकों पर पहन सकते हैं और अब करवा चौथ का त्योहार आ रहा है। इस खास मौके पर ज्यादातर महिलाएं साड़ी वियर करना पसंद करती हैं और अगर आप साड़ी पहनने का सोच रही हैं तो, आप प्स्टल कलर की साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। अगर आप इन साड़ी को करवा चौथ के मौके पर स्टाइल करती हैं तो आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा।

प्रिंटेड साटन साड़ी

इस तरह की प्स्टल कलर की प्रिंटेड साटन साड़ी आप करवा चौथ पर स्टाइल कर सकती हैं। यह

साड़ी साटन फैब्रिक में है और इस तरह की साड़ी में आपका सबसे अलग नजर आएगा। इस साड़ी को 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस साड़ी के साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी साथ हो फुटवियर में आप जूती स्टाइल कर सकती हैं।

सिल्वर स्टोन वर्क टिशू साड़ी

यह सिल्वर स्टोनवर्क टिशू साड़ी भी प्स्टल कलर में है और इस तरह की तरह की साड़ी में आप भीड़ से अलग नजर आएंगी। प्स्टल कलर की इस टिशू साड़ी में बेहद ही खूबसूरत स्टोनवर्क किया हुआ है। इस साड़ी में आपका लुक रॉयल नजर आएगा और इस साड़ी को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 1,500 से 3,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस साड़ी को आप स्ट्रेप वाले ब्लाउज के साथ स्टाइल कर सकती हैं साथ ही ज्वेलरी में आप चोकर स्टाइल कर सकती हैं।

प्स्टल कॉटन साड़ी

इस तरह की प्स्टल कॉटन साड़ी भी आप कई सारे खास मौकों पर पहन सकती हैं। इस तरह की साड़ी में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वहीं आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी। इस तरह की साड़ी आप कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ खरीद सकती हैं। यह साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं।

करवाचौथ के दिन पहनें ये खूबसूरत लाल-हरी झुमकियां

स्टाइलिश दिखने के लिए आप दिन हम वार्डरोब से लेकर अपने लुक में कई तरह के बदलाव करते हैं। ट्रेडिशनल लुक में जान डालने के लिए स्टाइलिंग का रोल अहम होता है। सूट और साड़ी के साथ में सबसे ज्यादा इयररिंग्स पहनना हम बहुत पसंद करते हैं।

करवाचौथ आने वाला है और इस मौके पर हम अपने लुक में जान डालने के लिए कानों में हैवी झुमकी को स्टाइल करते हैं। तो आइये देखते हैं हरे-लाल रंग की झुमकियों के नए डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन झुमकी लुक में जान डालने के आसान टिप्स-

बाली स्टाइल झुमकी डिजाइन

अपने लुक में सलवार-सूट पहन रही हैं तो खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए पंजाबी



स्टाइल वाली इयररिंग्स को कानों में पहन सकती हैं। इसमें आपको झुमकी में अलग-अलग साइज और डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। सबसे ज्यादा इसमें मीनकारी वर्क और स्टोन में बारीक वाले डिजाइंस को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

इयरकफ स्टाइल झुमकी डिजाइन

कानों को इयररिंग्स से कवर करना चाहती हैं तो इस तरह के हैवी डिजाइन वाले लाल और हरे कलर के कॉम्बिनेशन की झुमकियों को कानों में पहन सकती हैं। इसमें आपको गोल्डन और सिल्वर में सबसे ज्यादा डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इन दोनों कलर कॉम्बिनेशन को आप आसानी से किसी भी तरह के फैसी लुक के लिए ट्राई कर सकती हैं।



अभिषेक का तूफानी शतक न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर भारत ने श्रृंखला जीती

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के तूफानी शतक के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में जीत हासिल की। इसी के साथ टीम इंडिया ने श्रृंखला में भी 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। शर्मा ने मुकाबले में 35 गेंदों पर शतक जड़ा। यह उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक है। उन्होंने इसी साल अफगानिस्तान के खिलाफ 30 गेंदों पर शतक पूरा किया था। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बनाए थे। डेरिल मिशेल ने कमाल की बल्लेबाजी की और नाबाद 89 रन बनाए। हालांकि, वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक ने तूफानी शुरुआत कर टीम इंडिया की जीत की मजबूत नींव पावरप्ले में ही रख दी थी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम ने मुकाबले को छह विकेट से अपने नाम किया और श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी से भारत ने रचा इतिहास, टी20 में कई कीर्तिमान टूटे

न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे टी20 मैच में भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने कीर्तिमान की झड़ी लगा दी। दोनों ने टीम इंडिया को तूफानी शुरुआत दिलाई, जिससे वेलिंग्टन के मैदान पर कई कीर्तिमान बने। इस दौरान भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी टीम के सबसे तेज 50 रन बनाने के कीर्तिमान की बराबरी की। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बनाए थे, जिसे टीम इंडिया ने 13.2 ओवरों में हासिल कर लिया। इस दौरान भारतीय टीम ने 5 ओवरों में ही 100 रन पूरे कर लिए। इसके अलावा पावरप्ले में ही बिना कोई विकेट गंवाए 118 रन बना डाले। अभिषेक शर्मा ने शतक लगाया, जबकि वैभव सूर्यवंशी 45 रन बनाकर आउट हो गए।

भारतीय टीम के नाम विश्व कीर्तिमान दर्ज

भारतीय टीम के 50 रन 2.2 ओवरों में पूरे हो गए। ये किसी भी टीम के संयुक्त रूप से सबसे तेज 50 रन हैं। टीम इंडिया ने कीवियों के खिलाफ पहली गेंद से ही आक्रामक शुरुआत की और विपक्षी टीम को संभलने का मौका नहीं दिया। तेजतर्रार शुरुआत करते हुए भारत ने 2.2 ओवरों में अपने 50 रन पूरे कर लिए। पुषुआ न्यू गिनी और रोमानिया ने भी इतने ही ओवरों में 50 रन पूरे किए थे।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज टीम अर्धशतक (ओवर)-

पापुआ न्यू गिनी – 2.2 बनाम वानुअतु, 2019
रोमानिया – 2.2 बनाम सर्बिया, 2021
भारत – 2.2 बनाम न्यूजीलैंड, 2026
फिलिपींस – 2.3 बनाम इंडोनेशिया, 2023
न्यूजीलैंड – 2.4 बनाम स्कॉटलैंड, 2009
न्यूजीलैंड – 2.4 बनाम इंग्लैंड, 2019
दक्षिण अफ्रीका – 2.4 बनाम वेस्टइंडीज, 2023

अभिषेक-वैभव की जोड़ी ने किया कमाल

अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी का तुफान भारतीय टीम के 50 रन पूरे होने के बाद भी जारी रहा। दोनों की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर टीम इंडिया ने 5 ओवरों में ही 100 रन पूरे कर लिए। टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये किसी भी टीम का सबसे तेज 100 रन हैं। भारत ने रोमानिया को पीछे छोड़ा, जिसने 2021 में 5.2 ओवरों में 100 रन बना डाले थे।

चेन्नई सुपर किंग्स ने तीन नए प्रशिक्षकों की घोषणा की, दो पूर्व खिलाड़ी भी लौटे

पांच बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपर किंग्स में बदलाव की बयार बह रही है। टीम ने हाल ही में अपने प्रशिक्षण दल से कई दिग्गजों को हटाया था। अब फ्रेंचाइजी ने प्रशिक्षकों की नियुक्ति भी कर दी है। चेन्नई ने मंगलवार को अपने तीन नए प्रशिक्षकों के नामों का आधिकारिक एलान किया।

आईपीएल-2027 के लिए टीम ने जहीर खान को मुख्य कोच बनाए जाने का एलान काफी पहले ही कर दिया था। इस फ्रेंचाइजी ने तीन नए कोच चुने हैं जिनमें से एक इंग्लैंड, एक दक्षिण अफ्रीका और एक भारत से है।

इन दिग्गजों को मिली कमान

चेन्नई ने दक्षिण अफ्रीका के एल्बी मोर्केल को जहीर खान का सहायक बनाया है। वह सहायक कोच की भूमिका में होंगे। इसके अलावा भारत के पूर्व तेज गेंदबाज मोहित शर्मा को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी मिली है। वहीं इंग्लैंड के गैरेथ ब्रेटी को भी सहायक कोच की भूमिका मिली है।



मोहित ने 2013 से 2015 तक चेन्नई के लिए आईपीएल खेला था। इसके बाद वह कई अन्य टीमों में नजर आए। वहीं मोर्केल भी चेन्नई की टीम का हिस्सा रह चुके हैं। वह लंबे समय तक टीम के अहम खिलाड़ियों में रहे। उन्हें फ्रेंचाइजी ने अपनी एसए20 की टीम जोबर्ग सुपर किंग्स का मुख्य प्रशिक्षक भी बनाया है। चेन्नई ने एक्स पर इन तीनों की नियुक्ति का आधिकारिक एलान भी किया।

सरे को जिताना खिताब-इंग्लैंड के पूर्व ऑफ स्पिन गेंदबाज गैरेथ ब्रेटी के पास कोचिंग का अनुभव है। उन्होंने इंग्लैंड की काउंटी सरे को कोचिंग दी है। वह अब चेन्नई को खिताब दिलाने की कोशिश करेंगे। चेन्नई के नए प्रशिक्षण दल का एलान ऐसे समय हुआ है जब फ्रेंचाइजी आगले साल के लिए अपनी टीम को तैयार करने की रणनीति बना रही है। 16 दिसंबर को आईपीएल नीलामी होनी है और इससे पहले चेन्नई पूरी तैयारी करना चाहेगी।

स्मार्ट हलचल

फिन एलन और डेरिल मिशेल की कमाल की बल्लेबाजी

टॉस हारकर मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। अर्शदीप सिंह ने टिम सोफ्ट को दो रन के निजी स्कोर पर मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। हालांकि, इसके बाद फिन एलन और डेरिल मिशेल ने मोर्चा संभाला। दोनों ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर कुटाई की। फिन एलन 40 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी ने अपना शिकार बनाया। डेरिल मिशेल अंत तक क्रीज पर खड़े रहे। उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जमाया। मिशेल ने 26 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, अंत के ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने गेंदबाजी में कुछ सुधार किया और रनों की गति पर अंकुश लगाया। मिशेल ने 52 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए।

न्यूजीलैंड ने खड़ा किया 198 रनों का स्कोर

मिशेल के अलावा बेवन जैकब्स ने भी शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 23 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और नीतीश कुमार रेड्डी को एक-एक सफलता मिली।

अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की तूफानी शुरुआत

न्यूजीलैंड के दिए 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने तूफानी शुरुआत की। पिछले मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले वैभव सूर्यवंशी को इस मुकाबले में पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया। दोनों ने तूफानी शुरुआत की और पावरप्ले में ही टीम इंडिया ने 118 रन बना डाले। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने मात्र 15 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया। वैभव अर्धशतक नहीं लगा सके और 45 रन बनाकर आउट हो गए।

अभिषेक शर्मा ने 35 गेंदों में शतक जड़कर, विराट कोहली का कीर्तिमान तोड़ा

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे टी20 मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तबाही मचा दी। उन्होंने मात्र 35 गेंदों पर शतक जड़ दिया। इसी के साथ अभिषेक ने कई कीर्तिमान अपने नाम कर लिए। अभिषेक ने इस दौरान अपना अर्धशतक मात्र 15 गेंदों पर पूरा कर लिया था। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया।

अभिषेक ने भारत के लिए टी20 क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाया। सबसे तेज शतक का कीर्तिमान भी उन्हीं के नाम है। इसी साल अफगानिस्तान के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में उन्होंने मात्र 30 गेंदों पर शतक जड़ा था। इस शतक के साथ शर्मा ने रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की भी बराबरी कर ली है।

अभिषेक शर्मा ने विराट कोहली का कीर्तिमान तोड़ा

अभिषेक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक लगाया। वहीं टी20 क्रिकेट में ये उनका 11वां

शतक है। इसी के साथ उन्होंने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने अपने टी20 करियर में अब तक 10 शतक लगाए हैं। इस सूची में सबसे ऊपर क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 22 शतक लगाए थे। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के बाबर आजम हैं।

टी20 में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज-

क्रिस गेल – 22	बाबर आजम – 13
अभिषेक शर्मा – 11	विराट कोहली – 10
क्रिंटन डी कॉक – 10	डेविड वॉर्नर – 10

अभिषेक ने की सूर्यकुमार की बराबरी

अभिषेक ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में चौथा शतक लगाया। इसी के साथ उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की बराबरी कर ली है। सूर्या ने भी चार शतक लगाए हैं। भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक शतक लगाने के मामले में अभिषेक संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं अब वे कुल मिलाकर रोहित शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल से भी पीछे हैं।



‘उन्हें रोकना नामुमकिन है’, अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी देखकर बोले कीवी कप्तान मिचेल सैटनर

भारत के खिलाफ वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे टी20 मैच में न्यूजीलैंड के 199 रनों के लक्ष्य को भारत ने 13.2 ओवरों में हासिल कर दिया। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 35 गेंदों पर शतक लगाया और टीम इंडिया को जीत दिलाई। इसके बाद कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैटनर की प्रतिक्रिया सामने आई है। सैटनर का कहना है कि इन दोनों बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं है।

वे 198 रनों के स्कोर से खुश दिखाई दिए लेकिन उनका कहना है कि अभिषेक ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उसकी वजह से ये स्कोर छोटा साबित हुआ। दरअसल, न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में भारतीय टीम ने पावरप्ले में ही 118 रन बना डाले और फिर 13.2 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया।

मिचेल सैटनर ने मैच के बाद दी प्रतिक्रिया

मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में बात करते हुए सैटनर ने जीत का श्रेय अभिषेक शर्मा को दिया। उन्होंने कहा, जब इस तरह का मैच चल रहा हो, तो उन्हें रोकना मुश्किल होता है। हमने आईपीएल में देखा है। अब यहां पर न्यूजीलैंड में भी हम ऐसा देख रहे हैं। इस विकेट पर 200 रन बनाना बहुत अच्छा था और इससे मैं खुश था। उन्होंने हमें दिखाया कि बल्लेबाजी कैसे करनी है। इन खिलाड़ियों के खिलाफ लक्ष्य का बचाव करना करना काफी मुश्किल है। सीम के साथ थोड़ी दिक्कत थी। उन्होंने पावरप्ले में स्पिन गेंदबाज के खिलाफ बहुत अच्छा खेला।

न्यूजीलैंड ने बनाए 198 रन

न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में टीम इंडिया ने पहले तीन मैच जीतकर श्रृंखला में अजेय बढ़त बना ली है। कीवी टीम ने डेरिल मिचेल के नाबाद 89 रनों के दम पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रनों का स्कोर खड़ा किया। ये अच्छा स्कोर था क्योंकि वेलिंग्टन के मैदान का औसत स्कोर 170-180 का था। ऐसे में कीवी टीम ने अच्छा स्कोर खड़ा किया था।

अभिषेक शर्मा के शतक से जीता भारत

भारत के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैदान पर उतरे। वैभव को पिछले मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था लेकिन इस मैच में उन्होंने पारी की शुरुआत की। वैभव अर्धशतक लगाने से चूक गए और 45 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी तरफ अभिषेक ने शतक लगाया और टीम इंडिया को जीत दिलाई। उन्होंने 113 रनों की पारी खेली और भारत ने मैच को छह विकेट से अपने नाम कर लिया।

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले श्रीलंका को झटका, चोटिल पाथुम निसंका बाहर

पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेली जानी है। इस श्रृंखला से पहले श्रीलंका को झटका लग गया है। उसका एक प्रमुख बल्लेबाज श्रृंखला से बाहर हो गया है। इस खिलाड़ी का नाम है पाथुम निसंका। निसंका को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली थी, लेकिन वह चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे।

निसंका को बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था, जिससे वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं और इसी के चलते वह श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने बयान जारी कर इस बात की पुष्टि कर दी है।

सितंबर में लगी थी चोट

निसंका को यह चोट सितंबर में लगी थी। उस समय श्रीलंकाई टीम इंग्लैंड दौरे पर गई थी। इसके बाद वह पाकिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला से बाहर हो गए थे। उन्हें मौजूदा त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भी चुना गया था, लेकिन फिट न होने के कारण बाहर हो गए थे। टेस्ट श्रृंखला में भी यही हुआ है। इस चोट ने निसंका को टेस्ट में वापसी मुश्किल कर दी है। इससे पहले वह कलाई की चोट के कारण भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला नहीं खेल पाए थे।



निसंका की जगह उदारा को मौका

श्रीलंका क्रिकेट ने उनके विकल्प का एलान भी कर दिया है। लाहिру उदारा को उनकी जगह टीम में चुना गया है। उदारा पहले से ही पाकिस्तान में हैं। वह एकदिवसीय टीम के साथ हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भी उन्हें निसंका की जगह चुना गया था और टेस्ट में भी यही हुआ है। वह श्रीलंका के लिए पांच टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ एष्टिंगा में उन्होंने 188 रनों की पारी खेली थी और भारत के खिलाफ वह टीम में नजर आए थे।